

BOBAK GOAT

Munro Leaf

Bobak Goat gets tired following the leader. He decides that he will not go from one place to another simply because others are going. He will decide for himself - where he wants to go, why he wants to go and how he wants to go. Now Bobak has started thinking for himself and he is much happier than before.



बोबक बकरा

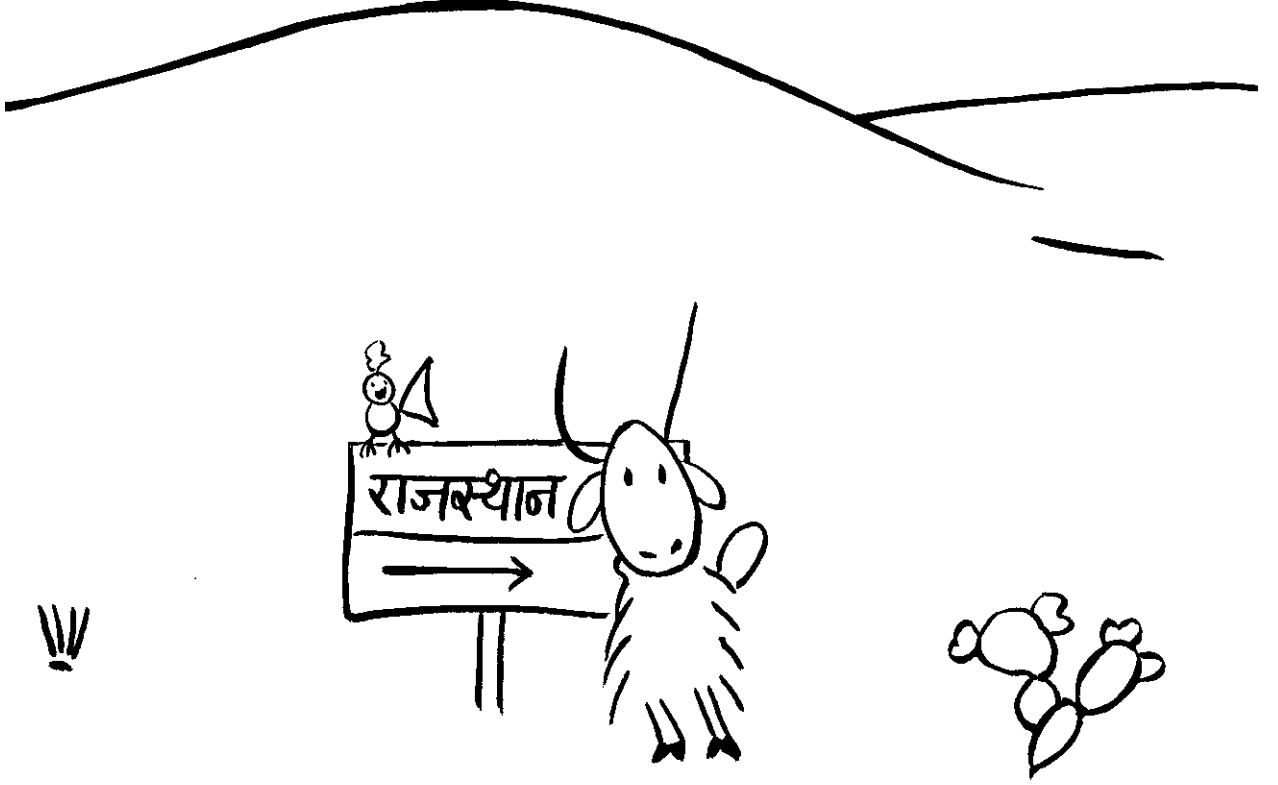
मनरो लीफ

हिंदी अनुवाद: अरविन्द गुप्ता

बोबक बकरा नेताओं के पीछे-पीछे घूमते हुए परेशान हो जाता है। अंत में वो निश्चय करता है कि अब भी वो एक जगह से दूसरी जगह केवल इसलिए जाएगा क्योंकि दूसरे लोग भी वहां जा रहे हैं। अब वो खुद सोचेगा कि उसे कहां जाना है, क्यों जाना है और कैसे जाना है। अब बोबक खुद अपने आप सोचता है। वो पहले से कहीं ज्यादा खुश है।

There was a goat.
His name was Bobak.
He lived in a desert area.

एक बकरा था।
उसका नाम था बोकक।
वह राजस्थान में रहता था।



He was only fond of eating.
He ate up whatever he could find.
He did not care about what he was eating.
He tried to bite whatever he saw.

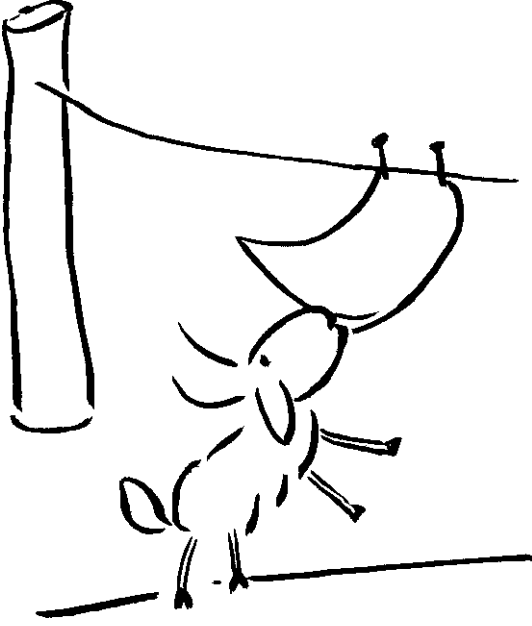


उसे बस खाने का शौक था।
उसे जो भी मिलता वह उसे चट कर जाता था।
वह क्या खा रहा है
इस बात की उसे बिल्कुल भी परवाह नहीं थी।
उसे जो कुछ भी दिखता
वह उस पर अपना मुंह मार देता।



What he liked best were the leaves and pods of the Acacia Tree.

वैसे उसे बबूल के पेड़ के पत्ते और फलियां ही सबसे अच्छी लगती थीं।



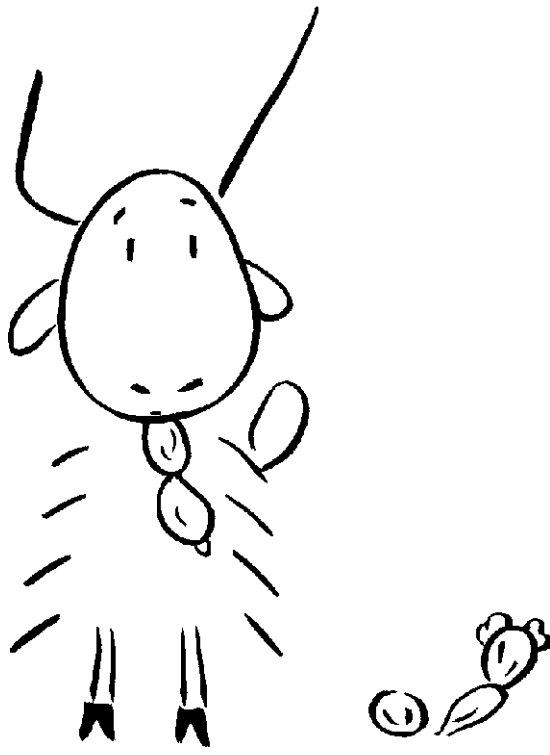
But if he found clothes hanging on a line, he would not mind chewing them up!

परंतु अगर रास्ता चलते उसे किसी रस्सी पर लटकते कपड़े दिखाई देते तो वह उन पर भी मुंह मारने से नहीं चूकता था।



Sometimes he would enter someone's kitchen. There he would try to bite the fruits hanging from the basket.

वह कभी किसी के रसोईघर में घुस जाता। वहां वह ऊंचाई से लटकी सब्जी की टोकरी पर मुंह मारने की कोशिश करता।



Sometimes it would also try and bite the cactus plants.

But then he would regret doing that for a long time.

कभी-कभी वह कांटेदार नागफनी पर भी मुंह मार देता था। लेकिन ऐसा करने के बाद उसे बहुत पछताना पड़ता था।



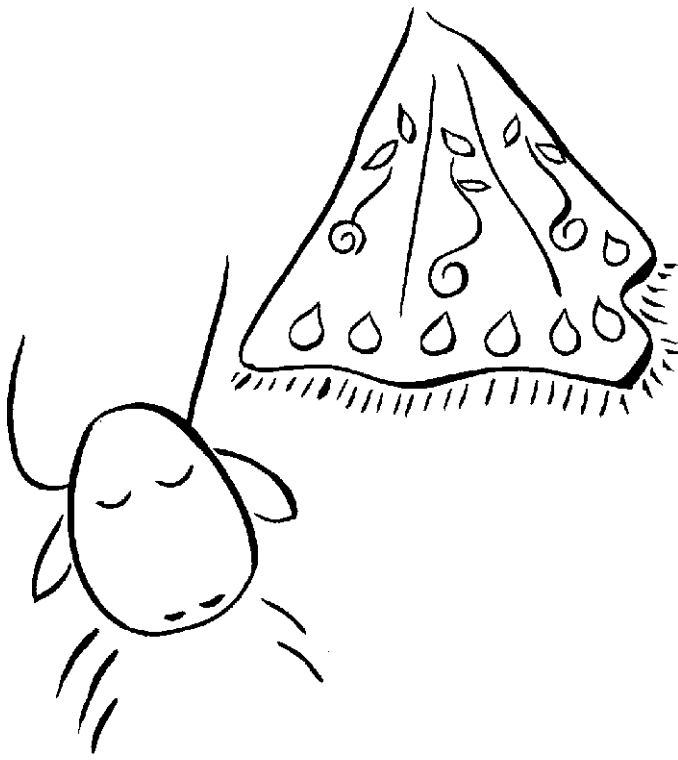
Bobak stayed in a large pen with other goats.

He did not have much to do there.

All he did the whole day was eat and sleep. This was his work.

After some months some person would come and shear his hair.

अन्य बकरों के साथ बोकक भी एक बाड़े में रहता था। वहां उसे कोई खास काम नहीं करना पड़ता था। वह दिन भर सोता रहता और खाना खाता। बस यही उसका काम था। कुछ महीनों बाद एक आदमी आकर उसके बाल काट देता था।



Some traders would buy this hair.

These people would make them into blankets and stuff them into mattresses.

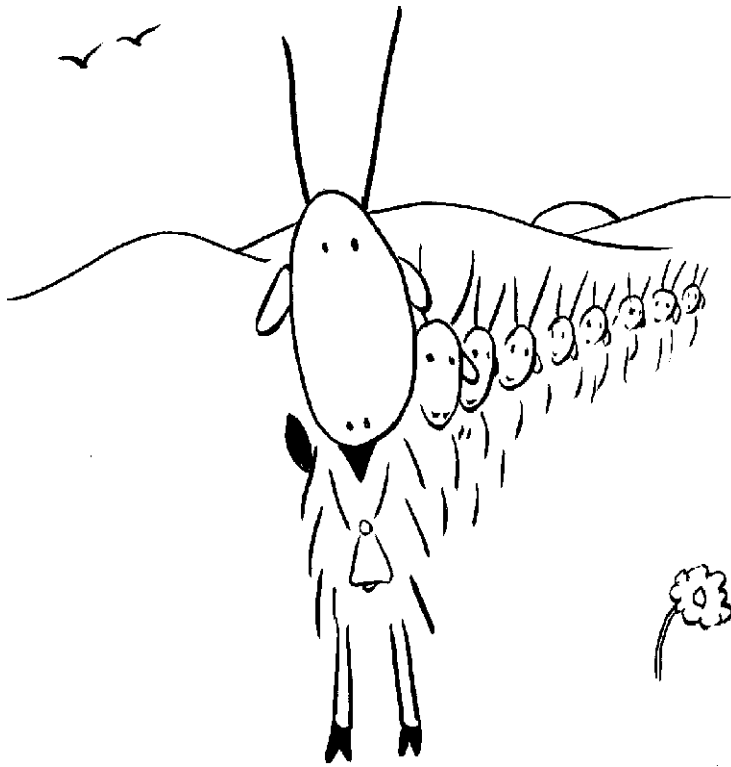
Bobak couldn't care less!

It didn't bother him. He was only bothered that they did not hurt his skin while shearing his hair.

कुछ लोग इन बालों को खरीद लेते थे।

ये लोग इन बालों से नमदे बनाते या उन्हें गद्दों में भर देते। बोकक की बला से!

उसके बालों से क्या बनता है, इससे भला उसे क्या लेना-देना। उसे तो बस इस बात से मतलब था कि लोग बाल काटते समय कहीं उसकी खाल न काट दें!



Some leaders were part of Bobak's pack.

The others goats always followed these leaders.

When the leader got fed up one place he would move to some other place.

Then the other goats would also wag their tails and follow the leader.

बोकक के बाड़े में कुछ अगुआ बकरे रहते थे।

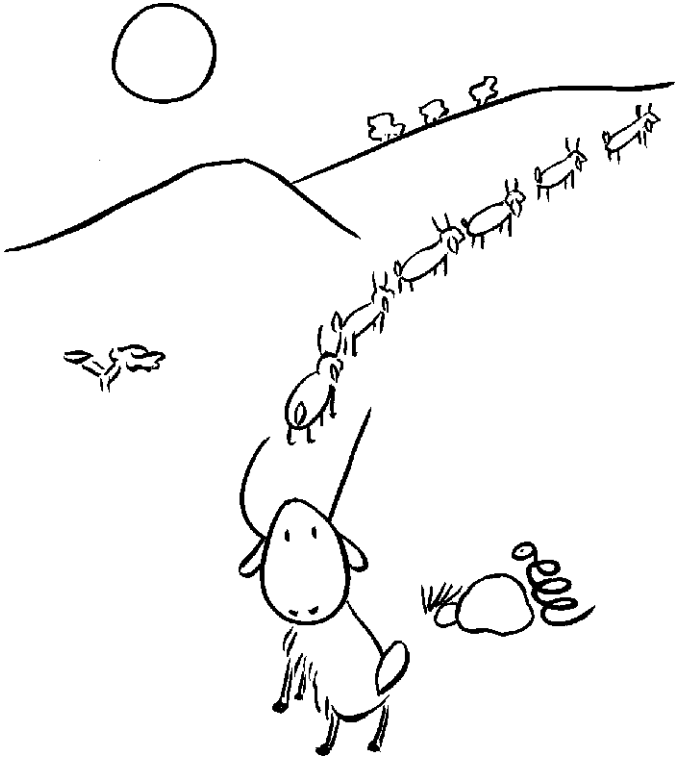
वे जहां भी जाते

बाकी बकरे उनके पीछे-पीछे जाते।

जब नेता बकरे का एक जगह से मन भर जाता तो वह किसी दूसरे स्थान की ओर चल पड़ता।

बाकी बकरे भी अपनी दुम हिलाते-हिलाते उसके पीछे हो लेते। नई जगह कभी पहले वाली जगह से अच्छी होती, कभी बुरी।

लेकिन जगह अच्छी हो या बुरी, दूसरे बकरे हमेशा अपने नेता के पीछे-पीछे ही चलते।



Along with the other goats Bobak also followed the leaders.

He did not know why he did it.

But he did not like the leaders very much.

But he did not find anyone of them particularly bad.

Therefore when the other goats went behind the leaders he followed too.

Perhaps, it was easiest to follow a leader.

But before starting Bobak would think and think for such a long time that the others goats would go far ahead and Bobak would be left behind.

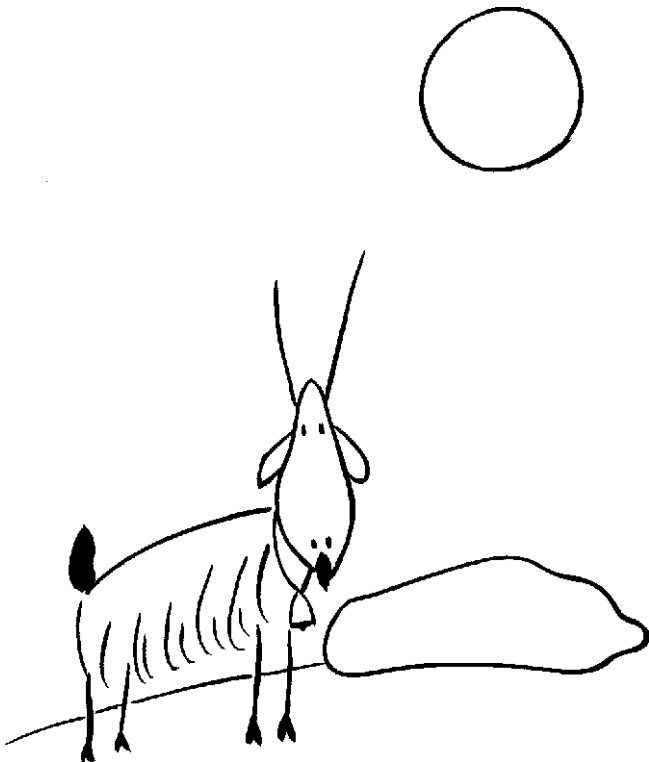
बोबक भी बाकी बकरों की तरह नेता बकरे के पीछे-पीछे चलता था।

पता नहीं वह ऐसा क्यों करता था।

उसे नेता बकरे कोई खास अच्छे नहीं लगते थे।

परंतु उनमें से कोई उसे बहुत बुरा भी नहीं लगता था।

इसलिए जब सारे बकरे नेता के पीछे चलते, तो बोबक भी उनके साथ चल पड़ता। शायद नेता के पीछे चलने से पहले वह इतनी देर तक सोचता रहता था कि बाकी बकरे आगे निकल जाते थे और वह सबसे पीछे रह जाता था।



Then came a very hot day.

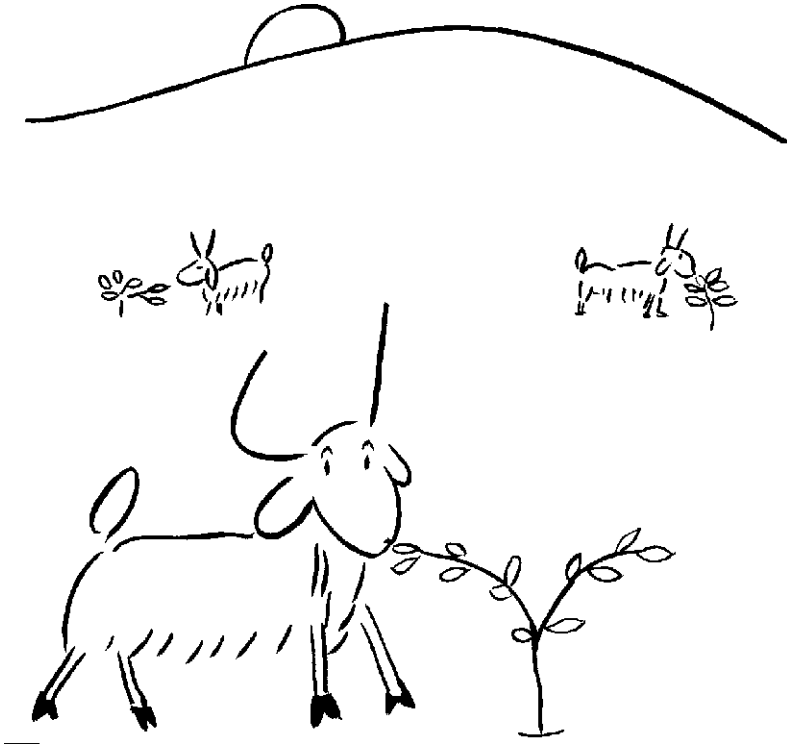
The leader goat did not like the place and he started in search of another place.

The other goats followed him.

Bobak also walked behind.

He was at the very end.

एक दिन बहुत गरमी पड़ रही थी। नेता बकरे को वह जगह पसंद नहीं आई और वह किसी दूसरी जगह की तलाश में चल पड़ा। बाकी बकरे भी उसके पीछे-पीछे हो लिए। बोबक भी चला। लेकिन वह सबसे पीछे था।



They walked and walked
for a very long time.

With the scorching sun the whole
mountainside became very hot.

They found a new field
but the grass there was not soft.

Bobak tried to eat some grass
but he started feeling giddy.

He felt that he did not do the right thing
coming here with the other goats.

चलते-चलते उन्हें बहुत देर हो गई।
सूरज की गरमी से पूरी पहाड़ी तपने लगी।
उन्हें घास का नया मैदान तो मिल गया
परंतु वहां की घास कोई खास नरम नहीं थी।
बोबक ने थोड़ी सी घास खाई तो उसका जी
मिचलाने लगा।

उसे लगा कि दूसरे बकरों के साथ यहां आकर
उसने ठीक नहीं किया है।



So he sat there.

He decided to keep sitting there
until he felt better.

But Bobak had just sat down when the
leader goat decided to move on from there.



इसलिए वो वहीं बैठ गया।

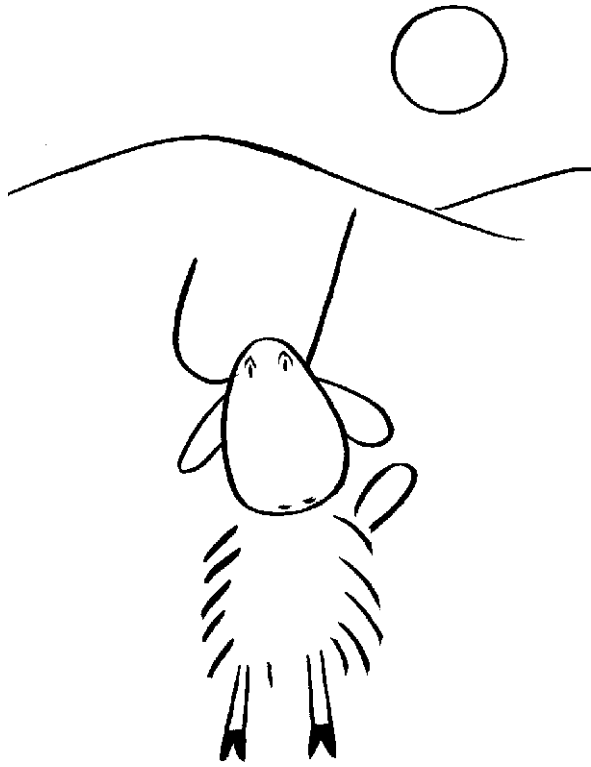
उसने तय किया कि जब तक उसका जी अच्छा
नहीं हो जाएगा, वो वहां से नहीं उठेगा।
लेकिन अभी बोबक बस बैठा ही था कि नेता
बकरे ने कहीं और जाने की ठान ली।



The leader started to move.
The other goats followed him.
Bobak was at the very end.
The truth was that he did not want to go anymore.



नेता बकरा चल पड़ा। बाकी बकरे उसके पीछे-पीछे हो लिए। बोकक सबसे पीछे था। सच तो यह था कि वह वहाँ से जाना ही नहीं चाहता था।

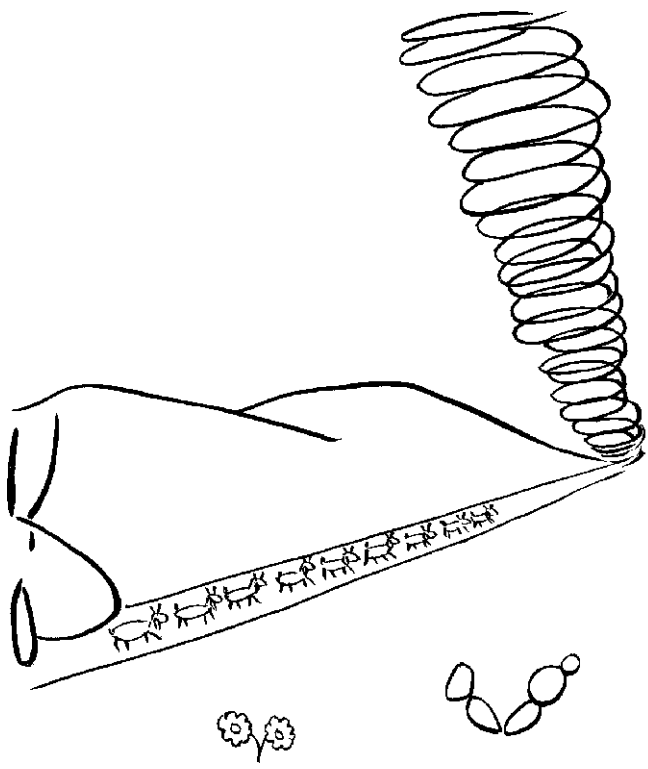


Walking in the scorching sun Bobak kept pondering. Why did I come here in the first place? Why do the other goats foolishly follow the leader?

Why did he follow others for such a long time? Maybe the other goats have been following their leaders right from the beginning. Perhaps they have got used to following leaders for too long. Bobak was thinking about these questions. But still things were not clear in his mind.

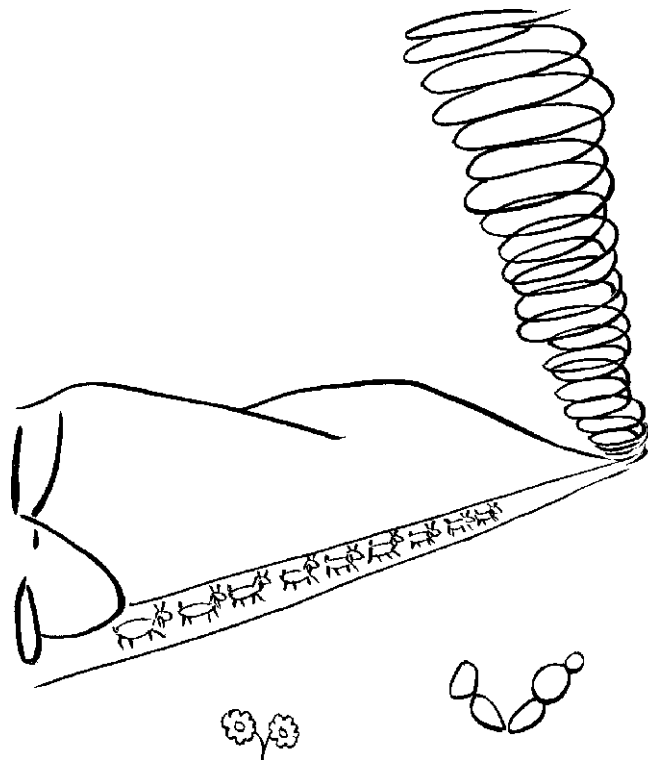
सूरज की तपती धूप में चलते-चलते बोकक सोचने लगा कि वह सबसे साथ क्यों आया? सब बकरे नेता के पीछे दुम दबा कर क्यों चल पड़ते हैं? अभी तक वह भी क्यों दूसरों के पीछे-पीछे चलता रहा। शायद दूसरे बकरे नेता के पीछे हमेशा से ही चल रहे हैं। नेता के पीछे चलने की उनकी आदत पड़ गई है।

बोकक इन प्रश्नों के बारे में सोच रहा था। पर अभी भी उसे कुछ समझ में नहीं आ रहा था।



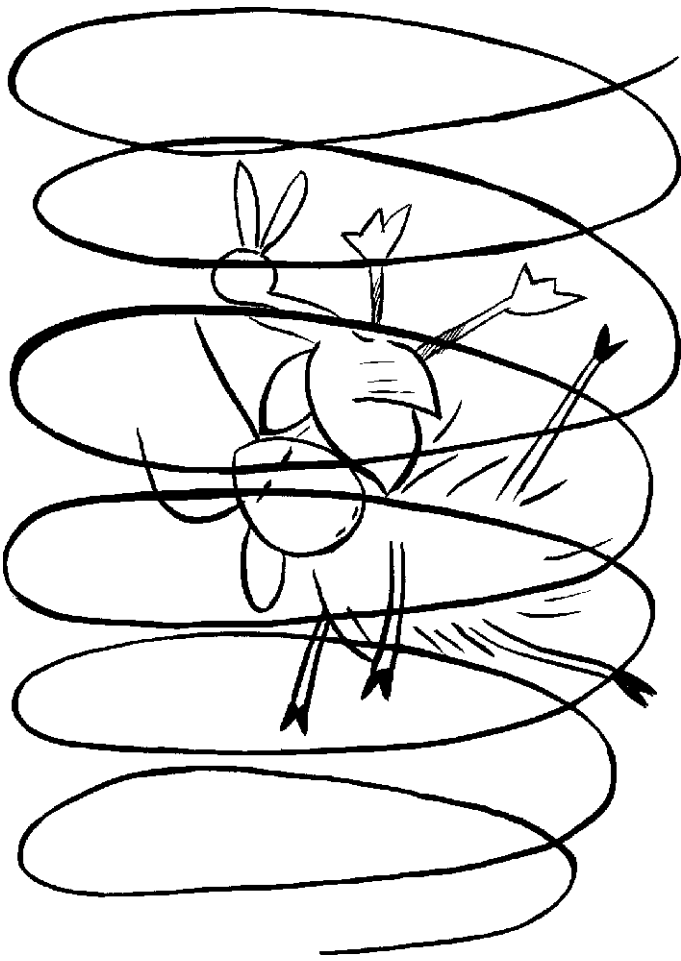
Bobak was deeply absorbed in his thoughts. Suddenly he saw a black storm approaching him. Black clouds rose from the ground and went up to the sky. Bobak had never seen such a large black mass. He didn't like it one bit. But the black clouds kept advancing towards Bobak. Bobak felt like fleeing away from them. But the leader of the flock kept walking towards the storm. And the black clouds kept advancing closer.

बोबक सोच में डूबा था। तभी सामने से उसे एक बड़ी और काली धूल भरी चीज अपनी ओर आती दिखाई पड़ी। वह जमीन से उठ कर आसमान तक चली गई थी। बोबक ने आजतक इतनी बड़ी कोई चीज नहीं देखी थी। बोबक को वह काली चीज बिल्कुल भी अच्छी नहीं लगी। पर वह तेजी से उनकी ओर बढ़ती चली आ रही थी। बोबक का भागने का दिल हुआ। परंतु नेता बकरा सीधा उस काली चीज की ओर बढ़ता गया। और वह काली चीज उनकी तरफ आती गई।



All the goats got trapped in the storm. It is no fun to get caught in a typhoon. Bobak was quite frightened. The moist clouds lifted him up. The roaring wind tossed him here and there. Bobak started rolling and tossing in the vortex of the storm.

सभी बकरे बवंडर के बीच में जा फंसे। बवंडर या आंधी में फंसना कोई मजेदार बात नहीं है। बोबक तो सच में डर गया था। पानी से भरे काले बादलों ने उसे ऊपर उछाल दिया। तेज हवा उसे कभी इधर पटकती, कभी उधर। बोबक तूफान की भंवर में खूब कलाबाजियां खाने लगा।



There were other things too trapped in the hurricane.

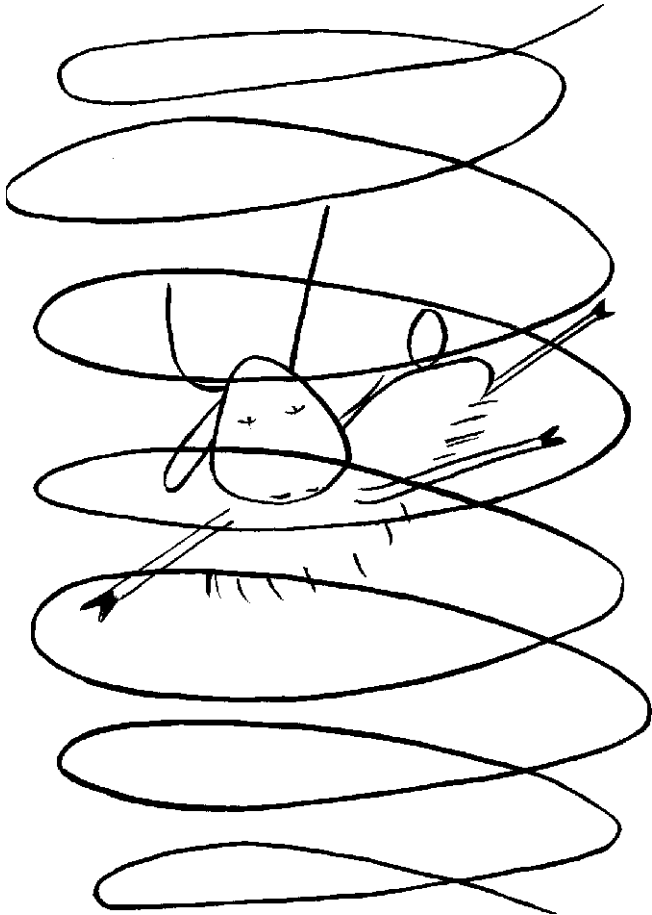
These things started colliding and hitting Bobak.

After some time Bobak started panting and was injured at several places.

After being tossed about in the storm Bobak started repenting over his deeds.

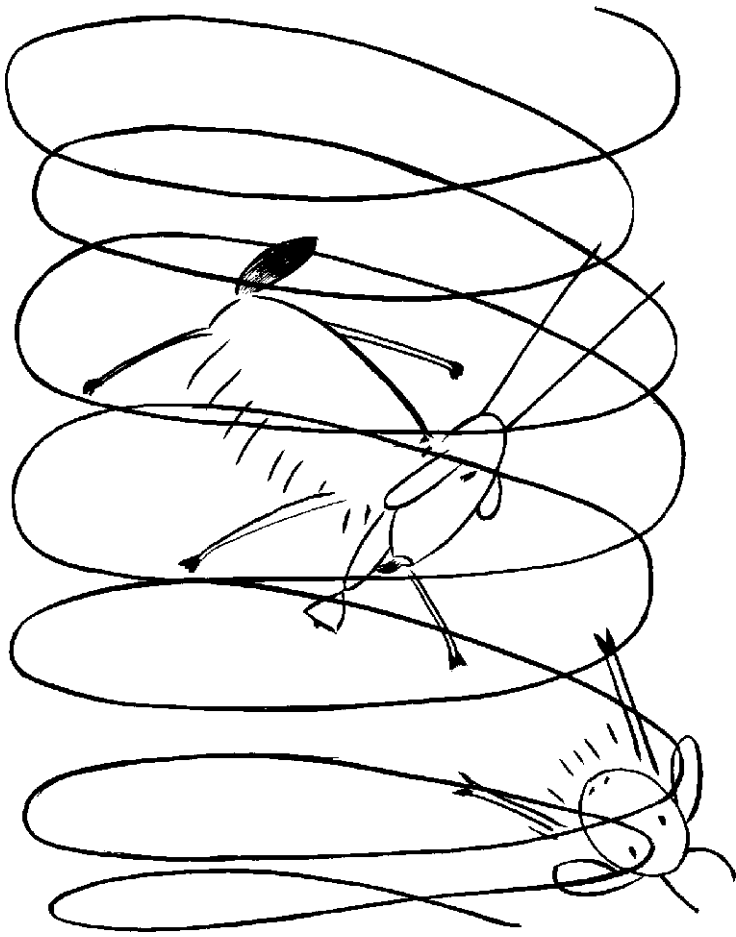
Why did he follow the leader in search of a new pasture?

बवंडर में और भी चीजें फंस गयीं थीं।
ये चीजें बोबक से आकर टकराने लगीं।
थोड़ी देर में बोबक का सारा शरीर घायल हो गया
और उसका दम फूलने लगा। बवंडर में चक्कर
खाकर वो अपने किए पर पछताने लगा। वह नई
घास खाने के लिए नेता बकरे के पीछे क्यों गया?



First of all Bobak became pale with fright.

पहले तो बोबक का रंग पीला पड़ गया।



Then his body turned green,
and he felt like vomiting.

Bobak started pitying himself.

He began to feel terribly ill.

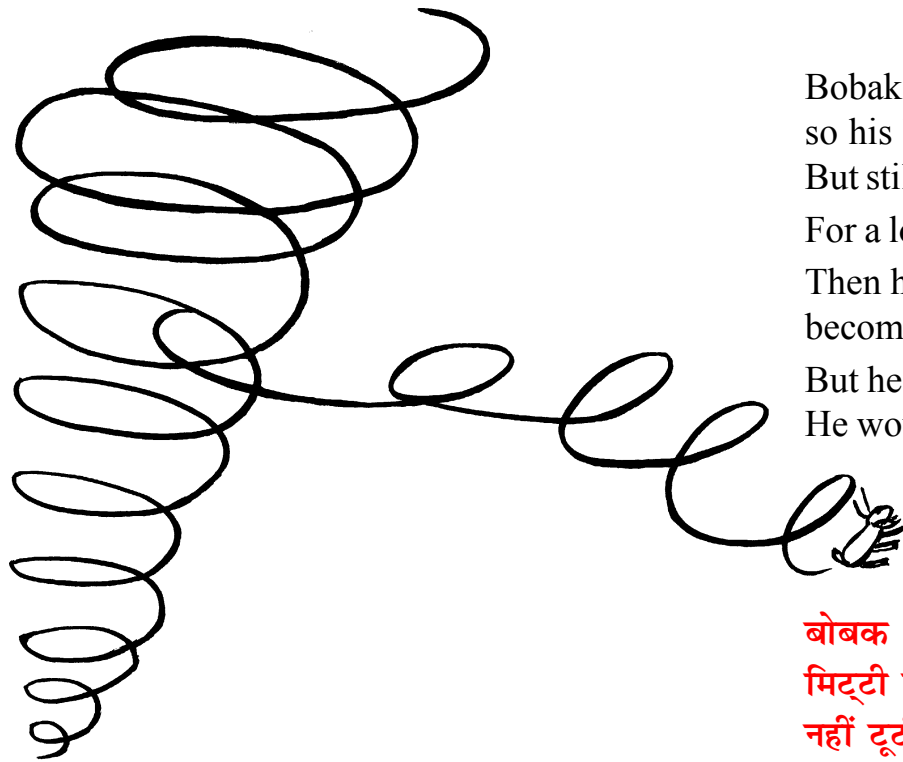
He thought he will not live for long.

Then Bobak saw the leader also tossing
up-and-down in the storm.

The leader was in a worse situation than
Bobak.

Just then a strong gush of wind came and
threw Bobak out of the vortex of the
hurricane.

तभी बोकक ने नेता बकरे को भी बवंडर में ऊपर
उठते हुए देखा। उसकी हालत तो बोकक से भी
खराब थी। इतने में हवा का एक तेज झोंका आया
और उसने बोकक को बवंडर के बाहर फेंक दिया।
फिर बोकक का रंग हरा हो गया और उसका जी
मिचलाने लगा। बोकक को अब अपने आप पर तरस
आने लगा। अब उसकी हालत बहुत खराब हो गई
थी। उसे लगने लगा कि वह अब बहुत देर तक जिंदा
नहीं बचेगा।



Bobak fell in a field. Luckily, the soil was soft,
so his bones did not break.

But still he was badly injured.

For a long time he just kept lying in the field.

Then he looked all around him. His body had
become stiff and every part was aching.

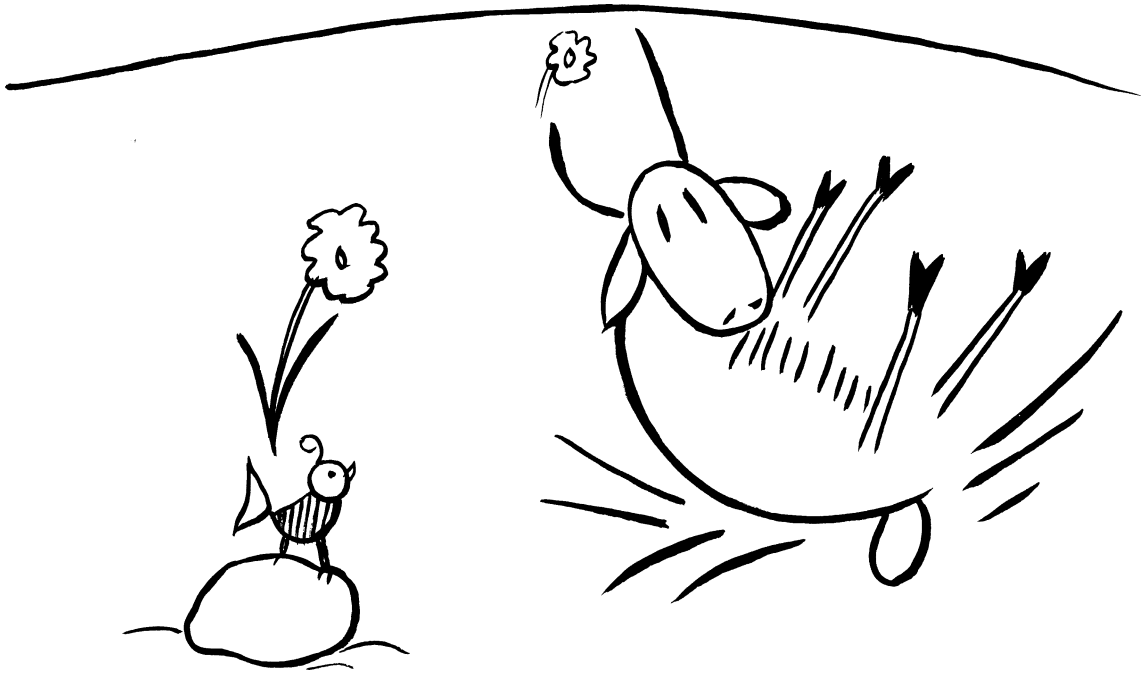
But he had learnt a new lesson.

He would never forget this lesson.

बोकक धम्म से एक खेत में जाकर गिरा। खेत की
मिट्टी नरम थी इसलिए बोकक की हड्डियां तो
नहीं टूटीं, फिर भी उसे काफी चोट लगी।

काफी देर तक तो बोकक ऐसे ही पड़ा रहा।
फिर उसने उठ कर चारों ओर नजर दौड़ाई।
उसका शरीर अकड़ गया था और उसके हरेक अंग
में दर्द हो रहा था।

लेकिन अब उसने एक नया सबक सीखा था।
वह इस सबक को कभी भी नहीं भूलेगा।



Now he will not go from one place to the other simply because others are going there. Henceforth, he will decide for himself. Where should he go? Why should he go? How should he go? From now on he will make his own decisions.

अब वह एक जगह से दूसरी जगह केवल इसलिए नहीं जाएगा कि दूसरे लोग भी वहां जा रहे हैं। वह अब खुद सोचेगा कि उसे कहां जाना है, क्यों जाना है और कैसे जाना है। आगे से वह अपनी मंजिल खुद तय करेगा।



Now Bobak thinks for himself.
He is much happier than he was before.

END

अब बोबक खुद अपने आप सोचता है।
वह अब पहले से कहीं अधिक खुश रहता है।

अंत